Daink Bhaskar (Indore), 24th March 2026, P- 01

भास्कर एक्सक्लूसिव

शहर के 47 जल स्रोतों की स्टडी, सभी प्रदूषित

IIT की रिपोर्ट... नालों का पानी मिलने से खतरे में सिरपुर तालाब

नीता सिसौदिया | इंदौर

रामसर साइट सिरपुर तालाब की हालत बिगड़ती जा रही है। हाल ही में सैटेलाइट रिपोर्ट में सामने आया है कि अतिक्रमण के कारण झील का क्षेत्र घट रहा है। पानी में प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे स्थानीय और प्रवासी पक्षियों को खतरा हो सकता है। हालात नहीं सुधरे तो रामसर साइट का दर्जा भी छिन सकता है। आईआईटी इंदौर ने शहर के 47 बड़े जल स्रोतों के का विश्लेषण किया है। ज्यादातर जलाशयों में पानी की गुणवत्ता गिर रही है।

सिरपुर में मैलापन भी ज्यादा

रिपोर्ट के अनुसार सिरपुर झील का सतह क्षेत्र 2017 के मुकाबले लगातार घटा है। पानी में क्लोरोफिल-ए का स्तर 16.149 mg/m दर्ज किया गया है। यह एल्गी (काई) की बढ़ती मात्रा का संकेत है। टर्बिडिटी यानी पानी का गंदलापन भी तय मानक से ज्यादा पाया गया। औसत स्तर 5.091 एनटीयू दर्ज हुआ। यह 4.87 एनटीयू से अधिक है। इसके अलावा जलकुंभी काफी है जो यह बताती है कि पानी में सीवेज मिल रहा है।

यशवंत सागर में भी मिला ई-कोलाई- रिपोर्ट में यशवंत सागर, बिलावली सहित अन्य वॉटर बॉडी शामिल हैं। पिछले दिनों सीपीसीबी की रिपोर्ट में यशवंत सागर में खतरनाक ई-कोलाई की मात्रा बताई गई थी। ऑक्सीजन लेवल में भी कमी आंकी गई थी।

आधे से ज्यादा तालाब में तैर रही है काई...

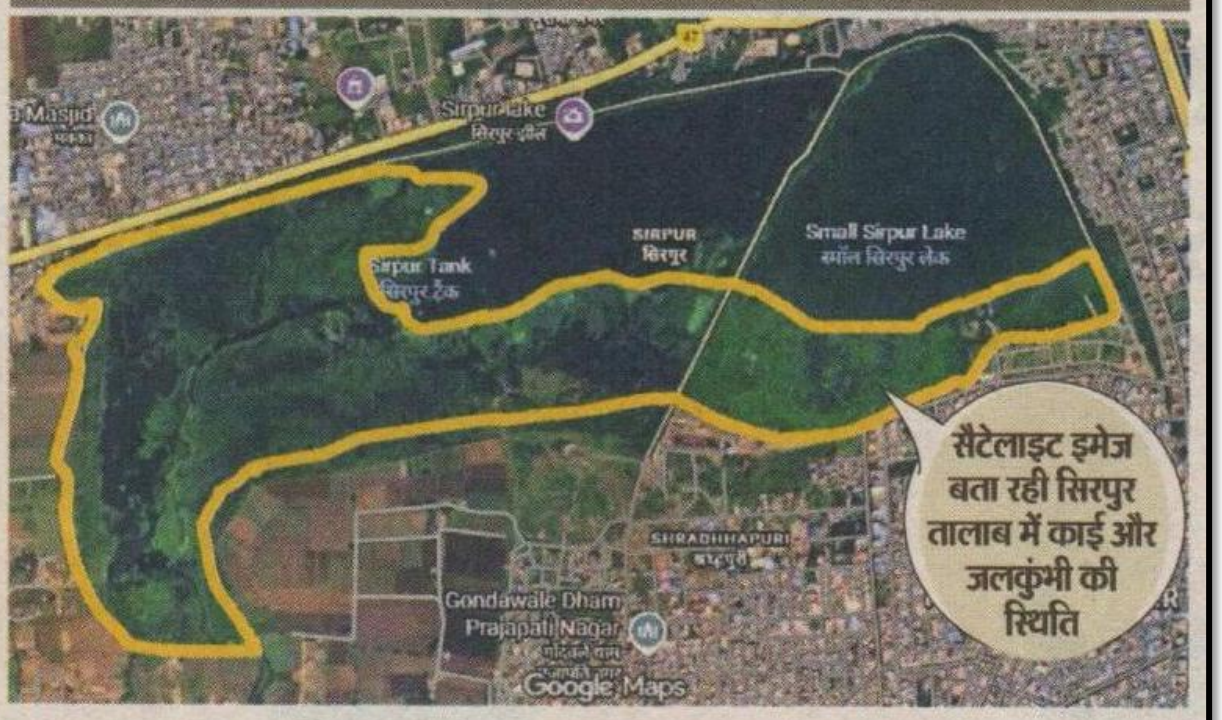

सैटेलाइट इमेज बता रही सिरपुर तालाब में काई और जलकुंभी की स्थिति

ऐसे हुई स्टडी...

आईआईटी के प्रो. मनीष कुमार गोयल और डॉ. श्रीजा रॉय ने स्टडी की है। अध्ययन सैटेलाइट आधारित अर्बन वाटर एनालाइजर टूल से किया गया है। इससे पानी की गुणवत्ता व जल स्रोत के क्षेत्रफल की मॉनिटरिंग की गई। डेटा अभी वेलिडेशन में है, लेकिन ट्रेंड चिंताजनक है।

क्यों महत्वपूर्ण है सिरपुर झील

- 130 साल पुराना होलकरकालीन तालाब 800 एकड़ में फैला है।
- 2022 में रामसर साइट घोषित।
- यहां विविध प्रजाति के पौधे हैं, जैव विविधता (बायो डायवर्सिटी) है।
- 200 प्रकार की प्रजातियों के पक्षी हैं।
- 55 प्रकार के प्रवासी पक्षी यहां आते हैं जिनमें यूरेशियन विगन, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, ग्रेटर फ्लेमिंगो, पेंटेड स्टार्क व सुराख पक्षी शामिल हैं।
- तालाब क्षेत्र ऐसा पारिस्थितिक तंत्र है जहां बैकवाटर, सुखनिवास आवक चैनल क्षेत्र में पक्षियों के प्रजनन, निवास बनाने के लिए अनुकूल वातावरण है।

कैचमेंट में रेनवाटर हार्वेस्टिंग हो

रामसर साइट के कैचमेंट पर रेनवाटर हार्वेस्टिंग को लेकर काम करने की जरूरत है। रिचार्ज शॉफ्ट ज्यादा से ज्यादा बनाने चाहिए। इससे जल स्तर बढ़ेगा। कंटामिनेशन कम होगा।

- सुरेश एमजी, वाटर शेड एक्सपर्ट

अब तक नहीं मिले 43 करोड़ रुपए

रामसर साइट वह आर्द्र भूमि (वैटलैंड) होती है, जिसे जैव विविधता के चलते संरक्षण के लिए चुना जाता है। निगम अफसरों का कहना है कि सिरपुर रामसर साइट के लिए इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम प्लान बना था। उसके लिए 43 करोड़ का बजट मिलना था, लेकिन अभी तक निगम को यह राशि नहीं मिली है।